आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82

(डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 47 अंक 29 (प्रति रविवार) इंदौर, 07 अप्रैल से 13 अप्रैल 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

धर्म के आधार पर आरक्षण की बात फिर क्यों कर रही कांग्रेस, राहुल जबाव दे-नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के तमाम राजनीतिक दल लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए लगातार चुनावी रैली और रोड शो कर रहे हैं। एनडीए जहां पीएम मोदी के चेहरे पर 400 पार के नारे के साथ चुनावी मैदान में उतरी भाजपा ने फिर से तुष्टिकरण और धर्म के आधार पर आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की तुलना मुस्लिम लीग से करते हुए देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी को घेरना शुरू कर दिया है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने फिर से कांग्रेस पर हमला कर आरोप लगाया है कि कांग्रेस सत्ता के लिए फिर से देश को बांटने की कोशिश कर रही है।

नड्डा ने कांग्रेस की तीखी आलोचना कर कहा कि उन्होंने कांग्रेस का घोषणा पत्र देखा जिसे देखकर उन्हें आश्चर्य हुआ कि यह कांग्रेस का घोषणा पत्र है या मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस को जनता ने बार-बार नकारा है लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति नहीं छोड़ रही

है। उन्होंने कहा कि देश को बांटने के लिए और सत्ता को पाने के लिए कांग्रेस किस हद तक जा सकती है, इसका अंदाजा कांग्रेस के इस घोषणा पत्र से लग सकता है। राहुल गांधी को भी इसका जवाब देना चाहिए कि केरल के वायनाड से उनके नामांकन के समय कांग्रेस के झंडे क्यों गायब थे, आखिर यह तुष्टिकरण की राजनीति कहां तक जाएगी? उन्होंने आरोप लगाया कि सिर्फ मुस्लिम लीग के लिए कांग्रेस ने अपने झंडे तक हटा दिए थे। मुस्लिम लीग ने वर्ष 1929 में धर्म के आधार पर जिस आरक्षण की बात कही थी, आज उसी बात को कांग्रेस पार्टी फिर दोहरा रही है। आज अल्पसंख्यक के लिए जिस तरह से धर्म के आधार पर आरक्षण की बात हो रही है और जो 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण की बात है, वह किसके लिए की जा रही है, कांग्रेस को यह स्पष्ट करना पड़ेगा। नड्डा ने कहा कि देश को नहीं भूलना चाहिए कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में इन्होंने बहुसंख्यक समुदाय के खिलाफ एक ऐसा कानून बनाया था, जो संसद से पारित नहीं हो पाया था लेकिन इससे कांग्रेस की मंशा सामने आ गई थी। तुष्टिकरण की राजनीति के लिए देश की जनता ने कांग्रेस को माफ नहीं किया है और आगे भी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में जिस तरह तुष्टिकरण और आरक्षण के विषय में कहा है, उसका स्पष्टीकरण इन्हें देना पड़ेगा, देश की जनता को बताना पड़ेगा।

दरअसल, कांग्रेस के घोषणा पत्र ने भाजपा को एक बड़ा राजनीतिक मौका दे दिया है जिसे बार-बार उठाकर भाजपा के आला नेता एक तरफ जहां अपने कैडर बहुसंख्यक वोट बैंक को मजबूती से पार्टी के साथ बनाए रखना चाहते हैं, वहीं दूसरी तरफ इस मुद्दे के सहारे युवा मतदाताओं खासकर फर्स्ट टाइम वोटर्स को भी कांग्रेस के इतिहास और उसकी मंशा को लेकर बड़ा राजनीतिक संदेश देना चाहते हैं।

हिंदू विवाह की वैधता के लिए कन्यादान की रस्म जरूरी नहीं-इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक मामले में फैसला देते हुए कहा कि हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के अनुसार हिंदू विवाह में कन्यादान की रस्म निभाना आवश्यक नहीं है। एक्ट के अनुसार यदि शादी में कन्यादान की रस्म नहीं निभाई जाती तो वह शादी अधूरी नहीं मानी जाएगी।

जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने 22 मार्च को एक मामले में फैसला सुनाते हुए हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के सेक्शन 7 का हवाला दिया और कहा कि हिंदू विवाह में कन्यादान करना एक आवश्यक रस्म नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई युवक और युवती हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के सेक्शन 7 के तहत बताई गई बातों को मानकर उसके अनुसार विवाह करते हैं तो उनकी शादी वैध होगी, भले ही उसमें कन्यादान की रस्म न निभाई गई हो। इलाहाबाद हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच में यह फैसला रिव्यू पिटीशन में सुनाया, जहां याचिकाकर्ता कन्यादान को हिंदू विवाह का जरूरी हिस्सा मानकर इसके लिए कोर्ट में गवाह पेश करने की बात कही। याचिकाकर्ता ने कहा कि विवाह में कन्यादान की रस्म पूरी की गई थी या नहीं इसकी जांच के लिए गवाह पेश किए जाने चाहिए, जिस पर कोर्ट ने साफ किया कि हिंदू विवाह में कन्यादान की रस्म समापन के लिए जरूरी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि कन्यादान हुआ है या नहीं हुआ है यह किसी भी मामले के निर्णय को प्रभावित नहीं करेगा। हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के सेक्शन 7 के अनुसार किसी भी हिंदू विवाह को वैध होने के लिए, सप्तपदी के अनुसार विवाह करना आवश्यक है।

हिंदू विवाह में विवाह के दौरान जैसे ही सप्तपदी की रस्म पूरी होती है, वैसे ही विवाह वैध और बाध्यकारी होता है। जब विवाह के दौरान युवक और युवती अग्नि के सामने सात फेरे लेते हैं और वचन से एक दूसरे के साथ विवाह के बंधन में बंध जाते हैं तब ही हिंदू विवाह पूरा हो जाता है। हिंदू मैरिज एक्ट 1955 में विवाह के समापन के लिए कन्यादान की रस्म का जिक्र नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश बोले- बिना फैसले के मामलों को रिजर्व रखना गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने अदालती मामलों को महीनों रिजर्व रखने के जजों के रवैये पर नाराजगी जताई है। छ्छ्छ्छ ने सोमवार (8 अप्रैल) को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि जज बिना फैसला सुनाए किसी केस को 10 महीनों से ज्यादा समय तक रिजर्व रखते हैं। यह चिंता का विषय है। चंद्रचूड़ ने कहा- इतने लंबे समय के बाद केस पर दोबारा सुनवाई हो तो पिछली सुनवाई के दौरान रखी गई मौखिक दलीलें मायने नहीं रखतीं। जज भी कई बातें भूल जाते हैं। छ्छ्छ्छ ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर सभी हाईकोर्ट को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा- लेटर के बाद मैंने देखा कि कई जज केवल मामलों को डी-रिजर्व करते हैं, लिस्टिंग करते हैं और फिर आंशिक सुनवाई करते हैं। हमें उम्मीद है कि देश के अधिकतर हाईकोर्ट में यह चलन नहीं है। चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने हाईकोर्ट से कहा कि मामले को जल्दी निपटाएं और पहले संक्षिप्त सुनवाई के लिए मामले को दोबारा लिस्टेड करें। हम आपके (हाईकोर्ट्स) के बोझ को समझते हैं। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश ने (5 अप्रैल) को पुणे में कहा था कि न्यायपालिका के कंधे चौड़े हैं और वह प्रशंसा के साथ-साथ आलोचना भी सह सकती है।

देश की संपत्तियों का नियंत्रण किसके पास, वेल्थ सर्वे से पता लगाएंगे-राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने जाति जनगणना के अलावा अब देश की संपत्तियों पर नियंत्रण जानने के लिए सर्वे कराने का ऐलान किया है। तेलंगाना में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस अगर सत्ता में आई तो वह यह पता लगाने के लिए वित्तीय एवं संस्थागत सर्वे कराएगी कि देश की अधिकतर संपत्तियों पर किसका नियंत्रण है। राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना के अलावा वेल्थ सर्वे भी कराया जाएगा। यह हमारा वादा है। उन्होंने कहा कि जितनी आबादी उतना हक का नारा, तभी हकीकत बनेगा, जब जाति जनगणना देश में हो। राहुल गांधी ने कहा कि देश में सबसे पहले यह निर्धारण होना चाहिए कि किस जाति या समुदाय के लोग कितने हैं। यानी कितने लोग ओबीसी हैं, कितने एससी या एसटी या अल्पसंख्यक समुदाय

के हैं। इसके बाद यह पता लगाया जाएगा कि देश की संपत्तियों पर किसका कितना नियंत्रण है। यानी वेल्थ सर्वे। यह इसलिए कराया जाएगा ताकि सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। समाज की मुख्यधारा से कटे लोगों को उनका हक दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की आबादी का 90 प्रतिशत हिस्सा एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक है, लेकिन नौकरियों में देखें वह कहां हैं।

सच्चाई यह है कि इस 90 फीसदी आबादी के पास कोई हिस्सेदारी ही नहीं है। इनको इनका हक हम सत्ता में आने के बाद दिलाएंगे।

संपादकीय

रामनवमी और राम के भरोसे भाजपा का चुनाव प्रचार

भारतीय जनता पार्टी चुनाव के पहले सुनयोजित रणनीति बनाकर काम करती है। 9 अप्रैल से रामनवमी के व्रत शुरू होने जा रहे हैं। हिंदू आस्था का यह सबसे बड़ा त्यौहार है। 17-18 अप्रैल को रामनवमी के साथ इस व्रत की समाप्ति होगी। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुष्कर मेले की सभा में इस आशय के संकेत दे दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रामनवमी आ रही है। लोग जमकर रामनवमी का त्यौहार मनाएंगे। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और नेता रामनवमी के इस धार्मिक त्योहार का धार्मिक ध्रुवीकरण करने के पूरे प्रयास करेंगे। रामनवमी के पर्व पर 9 दिन भाजपा के नेता और कार्यकर्ता बड़े-बड़े आयोजन में सहभागिता करेंगे। राम के नाम पर पूरा चुनाव प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रचार के जरिए होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को एक तरह से चुनौती देते हुए कहा, कि वह जितना विरोध कर सकते हैं, कर लें। विपक्षी दल यदि रामनवमी और राम का विरोध करेंगे, तो धार्मिक ध्रुव्रीकरण में भाजपा की लोकसभा चुनाव में लॉटरी खुलना तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान के बाद स्पष्ट हो गया है कि भाजपा चुनाव के समय जो धार्मिक ध्रुवीकरण का वातावरण बनाती है, वैसे ही इस लोकसभा चुनाव में रामनवमी के त्योहार और भगवान राम के नाम पर चुनाव लड़ने की तैयारी भाजपा ने कर ली है। चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी दल इसका विरोध भी नहीं कर पाएंगे। जो भी राम के नाम पर भाजपा का विरोध करेगा, वह हिंदुत्व का विरोध करने वाला समझा जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यह भी कह दिया, कांग्रेस के उन नेताओं ने जिन्होंने भगवान राम का नाम लिया। उन्हें 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। इससे भाजपा की रणनीति का स्पष्ट रूप से खुलासा हो गया है। लोकसभा का चुनाव धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर ही लड़ा जाएगा। रामनवमी का त्योहार पूरे देश में आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। रामनवमी के प्रति आस्था, 9 दिन तक व्रत शक्ति की उपासना के लिए हिन्दू, धार्मिक विधि विधान से पूजा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने भगवान राम और रामनवमी के त्यौहार को ध्यान में रखकर चुनाव प्रचार रणनीति तैयार की गई है। धार्मिक ध्रुवीकरण का सबसे ज्यादा फायदा भाजपा को ही मिलता है। धार्मिक आस्थाओं के सहारे भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने में सफल होती है। 80-20 का खेल भी धार्मिक धुर्वीकरण के कारण संभव होता है। केंद्रीय चुनाव आयोग की जिस तरह की भूमिका वर्तमान में है। उसमें बीजेपी के लिए कोई चुनौती नहीं है। चुनौती सही मायने में विपक्षी दलों के लिए है। लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं। आदर्श आचार संहिता लागू है। इसी दौरान झारखंड और दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल में बंद हैं। ईडी और सीबीआई के अधिकारी अभी भी विपक्षी दलों के नेताओं और लोकसभा के जो उम्मीदवार हैं, उनके ऊपर छापे डाल रहे हैं। उन्हें ईड़ी और सीबीआई के दफ्तर में बुलाया जा रहा है। इंडिया गठबंधन के सभी दलों ने मिलकर चुनाव आयोग से शिकायत करते हुए मांग की थी, जब तक लोकसभा के चुनाव नहीं हो जाते हैं तब तक आयकर, सीबीआई और ईडी की कार्रवाई रोकी जाये। चुनाव आयोग ने शिकायत पर अभी तक चुप्पी साध रखी है। शिकायत के बाद छापे जरूर तेज हो गए हैं। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से भाजपा द्वारा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की जो भी शिकायतें कीं।

उस पर चुनाव आयोग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से स्पष्ट है, इस बार का लोकसभा चुनाव राम के नाम पर ही लड़ा जाने वाला है। महंगाई बेरोजगारी एवं अन्य मुद्दे नेपथ्य में चले जाएंगे। इस लोकसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का भी कोई मतलब नहीं होगा। केंद्रीय चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर वर्तमान में विपक्षी दलों द्वारा सबसे ज्यादा निशाना साधा जा रहा है। चुनाव आयोग को लेकर इतना अविश्वास कभी नहीं रहा, जितना अब देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उसमें लगातार आदर्श आचार संहिता का उलंघन हो रहा है। विपक्षी दलों को चुनाव लड़ने के लिए समान अवसर नहीं मिल रहे हैं। विपक्षी दलों के नेताओं को जेल भेजा जा रहा है। चुनाव के दौरान जांच एजेंसियों द्वारा समन जारी किए जा रहे हैं। उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी उनकी गिरफ्तारियां की जा रही हैं। अब वह चुनाव लड़ें या जांच एजेंसियों के चक्कर लगाएं।

कानूनी सख्ती के बावजूद क्यों पनप रही है बाल-तस्करी

ललित गर्ग

देश की राजधानी दिल्ली में तमाम जांच एजेंसियों की नाक के नीचे नवजात बच्चों की खरीद-फरोश्त की मंडी चल रही थी जहां दूधमुंहे एवं मासूम बच्चों को खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा था। दिल्ली की 'बच्चा मंडी' के शर्मनाक एवं खौफनाक घटनाक्रम का पर्दापाश होना, अमानवीतया एवं संवेदनहीनता की चरम पराकाष्ठा है। जिसने अनेक ज्वलंत सवालों को खड़ा किया है। आखिर मनुष्य क्यों बन रहा है इतना क्रूर, अनैतिक एवं अमानवीय? सचमुच पैसे का नशा जब, जहां, जिसके भी सर चढ़ता है वह इंसान शैतान बन जाता है। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी कर ऐसे ही शैतानों के कुकृत्यों का भंडाफोड किया और एक महिला समेत सात लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, इसके साथ ही तीन नवजात शिशुओं को उनके चंगुल से बचाया। आरोपियों में एक अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को इस धंधे का मास्टर माइंड माना जा रहा है। न केवल दिल्ली वालों के लिए बल्कि देशवासियों के लिए यह खबर चिंता पैदा करने वाली ही नहीं है, बल्कि खौफ पैदा करने वाली भी है।

दिल दहाले देने वाली इस घटना में सीबीआई की अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के माध्यम से बच्चे गोद लेने के इच्छुक निसंतान दंपतियों से जुड़ते थे। आरोपी कथित तौर पर वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ सेरोगेट माताओं से भी नवजात बच्चे खरीदते थे। इन नवजात बच्चों को चार से छह लाख रुपए में बेच दिया जाता था। जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारियों के अनुसार एजेंसी की गिरफ्त में आए आरोपी बच्चों को गोद लेने से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। आरोपी कई निसंतान दंपतियों से लाखों रुपए की ठगी करने में भी संलिप्त हैं। इस गिरोह के तार कहां-कहां हैं इसकी भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। यह गिरोह आईवीएफ के माध्यम से युवतियों को गर्भधारण कराता था फिर इन शिशुओं को बेचता था। गरीब माता-पिता से भी बच्चे खरीदे जाते थे। बच्चों की खरीद-फरोख्त और बच्चों की तस्करी एक ऐसी समस्या है जिस पर तभी ध्यान जाता है जब कोई सनसनीखेज खबर सामने आती है।

अर्थ की अंधी दौड़ में इंसान कितने क्रूर एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम देने लगा है कि चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे हैं। नीति एवं निष्ठा के केन्द्र बदलने लगे हैं। मानवीयता एवं नैतिकता की नींव कमजोर होने लगी है। आदमी इतना खुदगर्ज बन जाता है कि उसकी सारी संवेदनाएं सूख जाती है। बाल तस्करी के खिलाफ कई सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद भारत में यह समस्या नासूर बनती जा रही है। नवजात बच्चे चुराने वाले गिरोह के पर्दाफाश से फिर यह तथ्य उभरा है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों में कानून का कोई खौफ नहीं है। बच्चों की तस्करी पर भारी जुर्माने के साथ उम्रकैद तक का प्रावधान होने के बावजूद यह कड़वी हकीकत है कि ऐसे दस फीसदी से भी कम मामले दोषियों को सजा तक पहुंच पाते हैं। मुकदमों की पैरवी सही तरीके से नहीं होने के कारण अपराधी बच निकलते हैं और वे फिर बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त में लिप्त हो जाते हैं।

बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है। पैसे की अपसंस्कृति ने अपराधों को अनियंत्रित किया है। पैसे कमाने के लिए कई लोग बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के व्यापार में लग गए हैं। वो गरीब लोगों को बहकाकर उनके बच्चों को काम दिलवाने का झांसा देकर शहर ले जाते हैं फिर शहर में जाकर उन बच्चों को बेचा जाता है फिर शुरू होता है बच्चों के शोषण का अंतहीन सिलसिला। जो बच्चे खो जाते हैं उनको अपराधी अगवा कर बेच देते हैं। लड़कियों को देह व्यापार के लिए विवश किया जाता है। हजारों बच्चों को फैक्ट्रियों में बंधुआ मजदूर बना दिया जाता है। 16-16 घंटे काम कराके इन को भर पेट खाना भी नसीब नहीं होता। इन सब कारणों से देश का बचपन कराह रहा है।

देश में युवाओं के एक वर्ग की सोच में बदलाव भी परोक्ष रूप से बाल-तस्करी को बढ़ावा दे रहा है। एक सर्वे में खुलासा हुआ था कि भारत के नौ फीसदी युवा शादी तो करना चाहते हैं लेकिन बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। संतान सुख के लिए उन्हें बच्चे खरीदने से परहेज नहीं है। हैरत की बात यह है कि देश के ढाई करोड़ से ज्यादा अनाथ बच्चों में से किसी को गोद लेने का विकल्प होने के बावजूद ऐसे युवा कई बार बाल तस्करी करने वालों से संपर्क तक साध लेते हैं। बाल-तस्करी भारत की एक उभरती एवं ज्वलंत समस्या है। यह केवल भारत की ही नहीं, दुनिया की बड़ी समस्या है। पिछले साल एक एनजीओ की रिपोर्ट में बताया गया था कि 2016 से 2022 के बीच बाल तस्करी के सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार क्रमशः दूसरे, तीसरे नंबर पर थे। इस अवधि में मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना में भी कई मामले दर्ज हुए। कोरोना काल के बाद दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। यह भी देखने में आया कि जिलों की बाल तस्करी से जुड़े मामलों में जयपुर पहले स्थान पर रहा।

पिछले साल संसद में पेश राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2021 में हर दिन औसतन आठ बच्चों की तस्करी हुई। देश के ही भीतर यह तस्करी होती है लेकिन संगठित गिरोह कुछ बच्चों की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी तस्करी करते हैं। एनसीआरबी के मुताबिक 2019 से 2021 के बीच देश में 18 साल से कम उम्र की 2.51 लाख लड़कियां लापता हुई। इनमें से ज्यादातर मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की थी। बचपन अगर बाल तस्करी के बीच फंसकर रह जाए तो बच्चा अपने बचपन, क्षमता और मानवीय गरिमा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास से भी वंचित रह जाता है। गौरतलब है कि बच्चों के घरेलू काम, विभिन्न क्षेत्रों में बाल श्रम, भीख मांगना, अंग तस्करी और व्यावसायिक यौनकर्म जैसी अवैध गतिविधियां बाल तस्करी की कोख से ही जन्म लेती हैं। सरकार और समाज को इससे मिलकर निपटना होगा। इस समस्या की जड़ में गरीबी भी है। इसे ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यावहारिक और ठोस नीति बनाई जानी चाहिए कि बाल तस्करी के समूल उन्मूलन की जमीन तैयार हो सके।

इसे देश की विडंबना कहें या दुर्भाग्य कि आज बहुत से अजन्मे मासूम तो मां के गर्भ में आते ही जीवन-मृत्यु से जूझने लगते हैं। जन्म लेने के बाद इस देश में बच्चों को बेच दिया जाता है या ऐसे बच्चों का एक बहुत बड़ा वर्ग चौराहों, रेलवे स्टेशन, गली-मोहल्ले में भीख मांगता मिल जाएगा। बहुत सारे बच्चों का बचपन होटलों पर काम करते या जूठे बर्तन धोते हुए या फिर काल कोठरियों में जीवन बिताते हुए कट जाता है। यों भी कह सकते हैं कि उनका जीवन आज अंधेरे में कट रहा है, दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का बचपन आर्थिक कारणों से घायल है। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है। क्यों कानून का डर ऐसे अपराधियों को नहीं होता? क्यों सरकारी एजेंसियों की सख्ती भी काम नहीं आ रही है और लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यहां प्रश्न कार्रवाई का नहीं है, प्रश्न है कि ऐसी विकृत एवं अमानवीय सोच क्यों पनप रही है?

ट्रांसफर होकर लौटे अधिकारियों को निगमायुक्त ने सौंपे विभाग

अग्रवाल को रिमूवल, राजस्व और खरे को मिला उद्यान

इंदौर। ट्रांसफर होकर आचार संहिता के पहले नगर निगम में ज्वाइनिंग देने वाले अधिकारियों को निगमायुक्त शिवम वर्मा ने विभाग सौंप दिए हैं। जिन अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं उनमें अपर आयुक्त, उपायुक्त और अन्य भी कई अधिकारी हैं। वर्षों से इंदौर में डटीं और हाल ही में देवास से फिर इंदौर लौटीं उपायुक्त लता अग्रवाल को एक बार फिर रिमूवल, राजस्व और जलकर वसूली की जिम्मेदारी सौंप है तो असीत खरे को उद्यान और मुख्यालय का जोनल अधिकारी नियुक्त

किया है। निगमायुक्त वर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार नवागत अपर आयुक्त नरेंद्रनाथ पांडे को पुल प्रकोष्ठ, विद्युत विभाग और निर्वाचन कार्यालय संबंधित कार्य सौंपा है। पांडे के पास फिलहाल कोई विभाग नहीं था। वही लता अग्रवाल को राजस्व रिमूवल और जलकर वसूली की जिम्मेदारी दी है। इंजीनियर असीत खरे को उद्यान विभाग के साथ ही अन्य कार्य सौंपा हैं। एक अन्य सहायक यंत्री पल्लवी पाल को योजना शाखा अप यांत्रिक आशीष राठौर को भी योजना शाखा और भूमि का चौहान को विद्युत विभाग का उपन्यत्री बनाया है। कब है राठौर को फिर नई पद स्थापना करते हुए विद्युत यांत्रिकी विभाग का अधिकारी बनाया है।

बिजली कंपनी अधिकारी सीख रहे साइबर सुरक्षा के गुर

10 दिनी कार्यक्रम में 14 अप्रैल तक रहेंगे शामिल

इंदौर। सिक्योरिटी की उच्च स्तरीय ट्रेनिंग प्राप्त करेंगे। इस ट्रेनिंग में साइबर अटैक से बचाव के तरीके भी प्रमुख रूप से बताए जाएंगे। मुख्य महाप्रबंधक रिंकेश कुमार वैश्य ने बताया कि प्रबंध निदेशक अमित तोमर के आदेशानुसार साइबर सुरक्षा और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रीय कर न केवल स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण दिया जिा रहा है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के ट्रेनिंग सत्र में भी कंपनी कार्मिकों को भेजकर उच्च दर्जे पर प्रशिक्षित किया जा रहा हैं। इसमें कंपनी के दो अधिकारी आशीष तिवारी और आदित्य प्रताप सिंह ठाकुर नवी मुंबई के पास महोपाड़ा में 5 से 14 अप्रैल तक ट्रेनिंग लेंगे। यहां नेशनल टेक्निकल रिसर्च आगेर्नाइजेशन से संबंद्ध संस्था साइबर सिक्योरिटी ट्रेनिंग सह ऑपरेशनल एक्सरसाइज कार्यक्रम का दस दिनी आयोजन कर रही है। कंपनी के उपमहाप्रबंधक सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर सिक्योरिटी विंग प्रभारी गौतम कोचर भी नई दिल्ली के मानेकशा सेंटर में 13-14 अप्रैल को साइबर सिक्योरिटी को लेकर स्ट्रेटेजिक एक्सरसाइज पर ट्रेनिंग लेंगे। कंपनी का उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग के साथ ही साइबर सिक्योरिटी पुख्ता करना एवं उपभोक्ताओं को निर्बाध और समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना हैं।

अपर कलेक्टर ने किया राजस्व कोर्ट का औचक निरीक्षण

इंदौर। जिले की रैवेन्यू कोर्ट में अपर कलेक्टर ने औचक निरीक्षण किया। अचानक हुए इस निरीक्षण से राजस्व न्यायालय में हलचल मच गई। निरीक्षण कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर किया गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान अपर कलेक्टर को राजस्व न्यायालय में लापरवाही और अनियमिताएं भी मिली हैं। साथ ही कई आदेश ऐसे पाए गए जिनमें आरआई और पटवारी की रिपोर्ट ही संलग्न नहीं रही। जानकारी अनुसार मल्हारगंज, खुड़ैल, कनाड़िया समेत अन्य कई राजस्व कोर्ट में निरीक्षण किया गया। अपर कलेक्टर सपना लौवंशी, गौरव बैनल और रोशन राय ने राजस्व कोर्ट का निरीक्षण किया। अपर कलेक्टर गौरव बैनल ने बताया कि मल्हारगंज तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अपर तहसीलदार और खुड़ैल में तहसीलदार और नायब तहसीलदार कोर्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ जगह लापरवाही तो कुछ जगह अनियमितता भी मिली है। अधिकतर जगह सुधार की गुंजाइश है, जहां सुधार की गुंजाइश है, वहां सुधार किया जाएगा। जहां लापरवाही और अनियमितता मिली हैं, उसके लिए प्रतिवेदन बनाकर कलेक्टर आशीष सिंह को सौंपा जाएगा और कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। अपर कलेक्टर सपना लौवंशी ने बताया कि कनाड़िया तहसील कोर्ट का निरीक्षण किया है। यहां पर कुछ अनियमितताएं मिली हैं। हालांकि बहुत अधिक गड़बड़ी नहीं पाई गई। प्रतिवेदन बनाकर कलेक्टर को सौंपा जाएगा।

लोक सेवा आयोग अतिथि विद्वानों को देगा 10 वर्ष छूट का लाभ

लिंक खुलने के बाद 14 अप्रैल तक करवा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग से अतिथि विद्वानों के लिए अच्छी खबर है। उन्हें अनुभव के आधार पर परीक्षा के लिए दस साल की आयु सीमा में छूट देने का फैसला कर लिया गया है। इसके साथ ही सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा- 2022 से जुड़ी प्रक्रिया दोबारा शुरू करने का भी निर्णय कर लिया गया है। इसके लिए बीते रोज आयोग द्वारा विज्ञापन भी जारी कर दिया गया है, जिसमें अप्रैल के पहले सप्ताह से पंजीयन के लिए लिंक खुलने का उल्लेख किया गया है। आयोग ने तय किया है कि वह इस बार उन उम्मीदवारों को मौका देगा, जिन्हें पहले अतिथि विद्वान का अनुभव और आयु सीमा का लाभ नहीं मिल सका है। दिया गया था। आयोग के अनुसार जिन उम्मीदवारों को मौका नहीं मिल सका है, वे लिंक खुलने के बाद आवेदन कर सकेंगे। 13 अप्रैल तक पंजीयन किए जा सकेंगे। इस बीच आवेदन में त्रुटि सुधार की प्रक्रिया 8 से 15 अप्रैल तक चलेगी। आयोग ने 13 से 20 अप्रैल तक तीन हजार और 20 से 30 अप्रैल तक आवेदन करने पर 25 हजार रुपये विलंब शुल्क रखा है। वहीं आयोग ने परीक्षा की तारीख भी निर्धारित कर दी, 9 जून को करवाई जाएगी। सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा आठ विषयों के 826 पदों के लिए रखी गई है। इसमें बाटनी (126), कामर्स (124), अंग्रेजी (200), हिन्दी (116), इतिहास (77), गृह विज्ञान (42), गणित (124), संस्कृत (17) शामिल हैं, जबकि 129 खेल अधिकारी और 200 ग्रंथपाल के पद सीबीएसई स्कूलों में पढ़ाना और भी महंगा, बिना पूर्व सूचना बढ़ाई फीस रखे हैं। शासन ने भर्ती परीक्षा में सरकारी कालेजों में पढ़ाने वाले अतिथि विद्वानों का अनुभव, अनुभव के अंक और आयु सीमा का लाभ देने पर जोर दिया।

रंग-बिरंगी रांगोलिया दे रही है मतदान का संदेश

इंदौर। इंदौर जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए हर तरह के प्रयास किये जा रहे है। कहीं मेहन्दी तो कहीं रांगोलियों के माध्यम से मतदान का संदेश मतदाताओं तक पहुंचाया जा रहा है। जिले के गांव-गांव में महिलाएं मतदान का संदेश आधारित आकर्षक रांगोलिया जगह-जगह बना रही है। इन रांगोलियों से मतदाताओं को मतदान का महत्व बताया जा रहा है। साथ ही जिले के शैक्षणिक संस्थाओं में युवाओं की भागीदारी भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ी जा रही है। इसी सिलसिले में पिछले दिनों ग्राम पंचायत रामपिपल?या में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जगह-जगह सेल्फी पाईट भी बनाये गये है। मतदाताओं को मतदान की शपथ भी दिलाई जा रही है।

अखिल भारतीय महिला परिषद की नवीन शाखा का शुभारंभ

इंदौर। एक गरिमामय समारोह में अखिल भारतीय महिला परिषद की नवीन शाखा महिला परिषद उमंग का शपथ विधि ग्रहण समारोह सांसद शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य मे बहुत ही भव्य तरीके से हुआ। आयोजन श्री मध्य भारत हिन्दी साहित्य समिति सभाग्रह मे हुआ। इस मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष हेमलता गोधा, सचिव रिंकू अजमेरा, कोषाध्यक्ष दिपाली कासलीवाल, उपाध्यक्ष साधना अजमेरा और पूजा बाकलीवाल सहित सभी बोर्ड मेंबर्स एवं समितियो को अपने-अपने कार्यों की शपथ केंद्रीय अध्यक्ष निर्मला जैन ने दिलाई। मुख्य अतिथि पुष्पा कासलीवाल , मंजुला भूंच, संगीता सोगानी थी। इस मौके पर लालवानी ने कहा संस्था के नाम मे ही उमंग है इसलिए सभी महिलाओ मे उत्साह और उमंग होना स्वाभाविक है। महिलाएं घर भी अच्छे से संचालित करती है और संस्था भी। लालवानी ने आगे कहा कि दिगंबर जैन समाज शिक्षित होने के साथ साथ संस्कारित भी है।

वह शाकाहारी होने के साथ अहिन्सक् है। इसलिए वह जीवो के प्रति विशेष दया और संवेदना रखता है। अत इस पीढ़ी का फर्ज बनता है कि वह ये संस्कार नई पीढ़ी में भी पहुचाये। अतिथि स्वागत नीलम पांड्या स्नेहलता विनायका, साधना बोहरा, प्रभा जैन ,सरला सामरिया,साधना दगडे,ग्रुप संरक्षक मृदुला सोनी ने किया। नीता कासलीवाल ने उमंग परिषद को अपनी अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष हेमलता गोधा ने मंदिर में सेवा करने वाले ब्यास जी भईयाओं का सम्मान किया।

वार्ड दरोगा, सुपरवाइजरों एवं सफाई मित्रों को प्रशिक्षित कर उनसे निरंतर सीधा संवाद करें

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने हेतु स्वास्थ्य अमले की बैठक में दिये निर्देश

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 की गाईड लाईन का पूर्ण रूप से पालन करने के लिए स्वास्थ्य अमले की बैठक आहूत कर वार्ड दरोगा, सुपरवाइजरों एवं सफाई मित्रों को प्रशिक्षित करने और उनसे नियमित रूप से सीधा संवाद करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायन ने डोर टू डोर कचरा कलेक्शन को और सुदृढ़ करने, कचरा वाहनों एवं गार्बेज ट्रांसफर स्टेशनों तथा सामुदायिक/ सार्वजनिक शौचालयों की सतत रूप से निगरानी कर उनकी कमियों को शीघ्रता से दूर कर बेहतर कार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने सेन्ट्रल वर्ज, साईट वर्ज के दोनों ओर, बैकलेन (आपचक) की बेहतर साफ-सफाई करने, जीवीपी समाप्त करने तथा रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए सतत् रूप से निगरानी करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने नागरिकों और व्यापारियों से सीधा संवाद कर बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने और डोर टू डोर कचरा वाहन को ही कचरा देने की समझाइश देने के निर्देश दिए। बैठक में प्रजेंटेशन के माध्यम से साफ-सफाई व्यवस्था की स्थिति एवं बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित किये जाने के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में उपायुक्त स्वास्थ्य योगेन्द्र पटेल, अधीक्षण यंत्री सुबोध जैन, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी, प्रभारी सहायक

स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य निरीक्षकों सहित स्वच्छ भारत मिशन के अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने शनिवार को आईएसबीटी स्थित कार्यालय में शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के मापदण्डों के अनुरूप संचालित स्वच्छता संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में प्रजेंटेशन के माध्यम से साफ-सफाई व्यवस्था की स्थिति एवं बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित किये जाने के संबंध में जानकारी दी गई। श्री नारायन ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने हेतु वार्ड दरोगा, सुपरवाइजरों एवं सफाई मित्रों को प्रशिक्षित करने तथा उनसे नियमित रूप से सीधा संवाद करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त नारायन ने कहा कि सीधे संवाद के अभाव में समय-समय पर दिए गए दिशा निर्देशों की जानकारी संबंधित कर्मचारियों तक पूर्ण रूप से नहीं पहुंच पाती और संवादहीनता से अनेक कमियों को शीघ्रता से दूर करने में विलंब होता है इसलिए सीधा संवाद आवश्यक है। निगम आयुक्त नारायन ने डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की निरंतर मॉनीटरिंग करने और नियमित रूप से कचरा एकत्र करने तथा घर-घर से ही गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक प्राप्त किये जाने की कार्यवाही शत प्रतिशत करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि मार्गों, गलियों एवं मोहल्लों आदि में साफ-सफाई के बाद कचरा उठाने की कार्यवाही नियमित रूप से की जाये तथा इसकी निरंतर मॉनीटरिंग भी सुनिश्चित करें।

निगम आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारियों एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने-अपने क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान एप के माध्यम से भी कचरा वाहनों एवं उनके ट्रिपों की निगरानी करते रहें। निगम आयुक्त नारायन ने गार्बेज ट्रांसफर स्टेशनों पर आने वाले कचरा वाहनों की सतत निगरानी करने एवं गीला एवं सूखा कचरे के सेग्रीगेशन को और सुदृढ़ बनाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायन ने बायो मेडिकल वेस्ट एवं घरेलू खतरनाक कचरा, जैविक एवं अजैविक कचरा आदि को पृथक-पृथक एकत्रित करने के संबंध में सफाई मित्रों को समझाइश देने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त नारायन ने सेन्ट्रल वर्ज, साईट वर्ज के दोनों ओर, बैकलेन (आपचक) की बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों की सतत् रूप से निगरानी करने, जीवीपी समाप्त करने, लिटरबिन की नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने साफ-सफाई व्यवस्था में नागरिकों, व्यापारी वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु उनसे सीधा संवाद करने, शहर की साफ-सफाई को और बेहतर बनाने तथा मोहल्लों/व्यवसायिक क्षेत्रों में नागरिकों को जागरूक करने तथा उन्हें समझाइश देने के निर्देश दिए।

पुलिसकर्मियों में आपसी भाईचारे और समन्वय की भावना विकसित करने में सहायक हैं ऐसे आयोजन-डीजीपी

भोपाल। भोपाल की 7वीं वाहिनी (विशेष सशस्त्र बल) की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 1 से 5 अप्रैल 2024 तक वाहिनी में खेलकूद, मोटिवेशन सेमिनार, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इसी अनुक्रम में कार्यक्रम के अंतिम दिन 5 अप्रैल 2024 को डीजीपी सुधीर सक्सेना ने बतौर मुख्यअतिथि उपस्थित होकर पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान आयोजित गतिविधियों में विजेता रहे प्रतिभागियों व टीमों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर सभी पुलिसकर्मियों के लिए 'बड़ा खाना' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों और उनके परिवारजन का मनोबल बढ़ाते हुए डीजीपी सक्सेना ने कहा कि सभी पुलिसकर्मी एक परिवार की तरह हैं। 'बड़ा खाना' की यह परंपरा हमें इस बात की याद दिलाती है कि कोई भी पुलिसकर्मी पद में बड़ा हो या छोटा, लेकिन उसका कार्य समान रूप से महत्वपूर्ण होता है। कर्तव्य के सामने प्रत्येक पुलिसकर्मी की निष्ठा समान होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से पुलिसकर्मियों में आपसी भाईचारे और समन्वय की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में 7वीं वाहिनी के कमांडेट हितेश चौधरी ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों और आमंत्रित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर एडीजी साजिद फरीद शापू, एडीजी पवन श्रीवास्तव, कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र, आईजी अभय सिंह,

डीआईजी अमित सांघी, डीआईजी मोनिका शुक्ला, डीआईजी तरुण नायक, आईपीएस सर्वप्रिय सिन्हा, कमांडेंट राजेश चंदेल, अन्वेश मंगलम आदि उपस्थित रहे।

डीजीपी श्री सक्सेना ने किया सम्मानित- डीजीपी श्री सक्सेना ने इस अवसर पर 7वीं बटालियन के डायमंड जुबली वर्ष 2024 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी में चयन होने पर देव पिता आरक्षक संतराम शुक्ला, स्पोर्टस शाखा के 27 चयनित खिलाड़ियों के साथ ही अखिल भारतीय पुलिस वॉलीबॉल क्लस्टर प्रतियोगिता 2023 और अखिल भारतीय पुलिस वॉलीबॉल क्लस्टर प्रतियोगिता 2024 के दौरान हुई व्हालीबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, सेपक टकरो, योगा, कुश्ती, कबड्डी, पॉवर लिफ्टिंग, आर्मरसलिंग, वेटलिफ्टिंग एवं बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। समय-समय पर आयोजित होती रहे ऐसी गतिविधियां - डीजीपी सक्सेना-डीजीपी सक्सेना ने कहा कि सातवीं बटालियन का कर्तव्यपरायणता और व्यावसायिक दक्षता का इतिहास रहा है। मप्र पुलिस में सातवीं वाहिनी का विशेष स्थान है। चाहे भाषाई आंदोलन हो, सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना हो या डकैतों की समस्या का निवारण हो, हर कार्य में सातवीं वाहिनी ने उत्कृष्ट कार्य का प्रदर्शन किया है और मप्र पुलिस का नाम रोशन किया है। मप्र को विभिन्न खेलों में जितने पदक मिले हैं, उनमें से सर्वाधिक 7वीं वाहिनी को मिले है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन-पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों की व्यावसायिक दक्षता के बढ़ाने, स्वास्थ्य के प्रति उन्हें जागरूक करने और मनोरंजन के उद्देश्य से आयोजित किए गए इस पांच दिवसीय आयोजन में 7वीं वाहिनी के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में लावण्या तिवारी ने सरस्वती वंदना, मेनका मल्ला, वंदना मल्ला व दिव्या ने ग्रुप बॉलीवुड मिक्सअप डांस, सोनाली नायक ने भरतनाट्यम, सृष्टि शर्मा ने उत्तराखंड की संस्कृति को दर्शाते नृत्य, जितेंद्र गारसिया, बसंत तिवारी व तनिष्का कावले ने ऑर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी, आराधना सिंह, अभिलाषा राज, अनुप्रिया, स्नेहा गुरुंग, एंजल गुरूंग, शेफाली शर्मा व प्रियांशी ने बॉलीवुड डांस की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान ग्रुप योगा देवी स्तुति और आदिवासी लोकनृत्य की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में समां बांध दिया।

ग्राम पिपलिया में शासकीय भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

भोपाल। एसडीएम एमपी नगर एल के खरे के निर्देशन में तहसीलदार एमपीनगर सुनील वर्मा, थाना प्रभारी बागसेवनिया अमित सोनी, नायब तहसीलदार अनामिका सर्राफ, भेल अधिकारी चित्रेश दत्ता, नगर निगम अतिक्रमण शाखा प्रभारी प्रीतेश गर्ग, राजस्व कर्मचारी, पुलिस कर्मचारी, नगर निगम अमला, भेल कर्मचारी एवं सुरक्षा कर्मचारी संख्या के सहयोग से शनिवार को 3 जेसीबी के माध्यम से ग्राम पिपलिया पेंदे खा स्थित भूमि खसरा क्रमांक - 101,102, 103,104 रकबा 0.700 हेक्टयर भूमि को भू-माफिया भैया भाई आ.अम्मू भाई, शहजाद आ. जमील, निवासी- जिंसी चौराहा, जहीर अहमद आ. हबीब अहमद, निवासी-पिपलिया पेंदे के विरुद्ध कार्यवाही कर शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई गई।

उक्त भू-माफिया द्वारा शासकीय भूमि में प्लाटिंग कर भूमि विक्रय की जा रही थी जिसका बाजार मूल्य 15,50,00,000 रुपये है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक, पूर्व डिप्टी कलेक्टर सहित कांग्रेस के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

मुख्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अंगवस्त्र पहनाकर किया पार्टी में स्वागत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं न्यू ज्वॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समक्ष शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में कांग्रेस के उज्जैन जिले के घट्टिया से तीन बार के पूर्व विधायक रामलाल मालवीय, पूर्व जनपद अध्यक्ष भारत सिंह पंवार, उपाध्यक्ष बहादुर सिंह पटेल एवं पूर्व डिप्टी कलेक्टर रमेशचन्द्र सक्सेना सहित कांग्रेस के पदाधिकारी, जनपद सदस्य, सरपंच, पूर्व संरपंचों ने भाजपा की रीति-नीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यो से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सभी को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया।

भाजपा जड़ों से जुड़कर काम करती है - डॉ. मोहन यादव-प्रदेश कार्यालय में सदस्यता ग्रहण कराते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का परिवार लगातार बढ़ रहा है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद भी जड़ों से जुड़कर काम कर रही है। हमारी पार्टी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास के उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा की रीति नीति और प्रधानमंत्री के विकास कार्या से प्रभावित होकर तथा कांग्रेस के नेता एवं कांग्रेस की देश विरोधी नीतियों से नाराज होकर पूर्व विधायक रामलाल मालवीय सहित अनेक नेताओं ने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है, मैं पार्टी में उनका परिवार में स्वागत करता हं। डॉ. यादव ने कहा कि आपके विकास के सपनों को हमारी सरकार पूरा करेगी। आपके माध्यम से हम लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए आप जो भी सुझाव देंगे उसे पूर्ण किया जायेगा।

हम सभी मिलकर प्रदेश के विकास में योगदान देंगे- विष्णुदत्त शर्मा-भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पूर्व विधायक रामलाल मालवीय सहित अनेक नेताओं एवं पूर्व डिप्टी कलेक्टर रमेशचन्द्र सक्सेना ने आज भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है, मैं उनका भारतीय जनता पार्टी परिवार में स्वागत करता हूँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के प्रति हर व्यक्ति का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कार्य करने के लिए आप सभी ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है। आप सभी इस परिवार के अभिन्न सदस्य बनकर प्रदेश के विकास में अपना योगदान देंगे। शर्मा ने कहा कि आज पार्टी के स्थापना दिवस पर यह सदस्यता अभियान देश को सर्वश्रेष्ठ बनाने और मध्यप्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए है। आज प्रदेश के 64523 बूथों पर अन्य दल के नेता, खिलाड़ी, डॉक्टर, आर्टिस्ट सहित समाज के प्रतिष्ठितजनों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

इस दौरान पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, सांसद उमेश नाथ महाराज, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा, उज्जैन ग्रामीण जिला अध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुडंला एवं विधायक सतीश मालवीय उपस्थित रहे।

आयोग से की मोदी की छवि धूमिल करने की शिकायत

फर्जी क्यूआर कोड से छवि धूमिल करने का कांग्रेस नेताओं पर आरोप

भोपाल। *भाजपा ने निर्वाचन आयोग पहुंचकर कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं पार्टी की छवि धूमिल करने को लेकर शिकायत की है। मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपी शिकायत में कहा कि कांग्रेस की नेता अलका लांबा, जयराम रमेश और वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय यूथ कांग्रेस व सेवादल द्वारा एक फर्जी क्यूआर कोड जोकि पेटीएम कंपनी क्यूआर कोड की रिप्लिका है, पर रेट कार्ड बनाकर प्रधानमंत्री मोदी की फोटो लगाकर प्रचारित करके प्रधानमंत्री की और भाजपा की छवि धूमिल की जा रही है।*

भाजपा ने शिकायत में कहा कि पांच अप्रैल को यूथ कांग्रेस के एक्स हैंडल अकाउंट के पेज पर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता जयराम रमेश द्वारा एक पोस्ट की गई है, जिसमें एक रेट कार्ड जिसके उपर पेटीएम एवं साईड में एक क्यूआर कोड बना है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी का चेहरा बना है। रेट कार्ड के नीचे एक बाक्स बना है, जिसके एक तरफ (गेट) दूसरी ओर (पेटीएम) लिखा हुआ है। गेट के नीचे प्रोटेक्शन फ्राम ईडी, आईटीसी, बीआई रुपए 56 करोड़ लिखा हुआ है। जब हमारे द्वारा उक्त पोस्ट पर लगे हैशटेग पेटीएम पर क्लिक किया गया तो पाया कि उक्त पोस्ट लगभग 300 से अधिक एक्स हैंडल से जो कि कांग्रेस पार्टी के सेवादल, यूथ कांग्रेस, वरिष्ठ नेताओं के हैं, से पोस्ट किए गए हैं। भाजपा ने शिकायत में यह भी कहा कि जब हमारे द्वारा पेटीएम कंपनी के काल सेंटर पर फोन पर उक्त क्यूआर कोड के बारे में जानकारी ली गई तो बताया गया कि उनके द्वारा ऐसा कोई कोड नहीं बनाया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस ने उक्त क्यूआर कूट कूटरचित रूप से बिना पेटीएम कंपनी की पूर्व सहमति से हूबहू नकल करते हुए फर्जी रूप से धोखाधड़ी तथा कूटरचित कर तैयार किया है और प्रधानमंत्री एवं पार्टी की छवि को धूमिल किया जा रहा है। भाजपा ने मांग की कि कांग्रेस नेताओं के इंटरनेट मीडिया अकाउंट से पोस्ट करने वाले सभी सदस्यों के विरूद्ध जांच कर तत्काल यथोचित कार्रवाई करने का कष्ट करें। साथ ही कांग्रेस तथा मध्य प्रदेश यूथ कांग्रेस के एक्स पेज को तत्काल आचार संहिता प्रभावशील रहने तक प्रतिबंधित करने की कृपा करें, ताकि लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो सके।

संगनी फोरम भोपाल प्रथम मिलन समारोह आयोजित

भोपाल। संगनी फोरम भोपाल के द्वारा वर्ष 24-25 की नवीन सत्र की प्रथम मिलन समारोह श्री नंदीश्वर जिनालय जैन नगर भोपाल में आयोजित किया गया। इस दौरान मिलन समारोह में जेएसजी के पूर्व आई डी अमर भाई जैन, कोऑर्डिनेटर एम-पी रीजन सुषमा गंगवाल, पीआरओ मध्यप्रदेश रीजन अजय राज एवं संस्थापक अध्यक्ष मेट्रो ग्रुप शरद सेठी एवं सभी संगनी बहनें मौजूद रही। समारोह के प्रारंभ में जेएसजी आई-एफ फेडरेशन द्वारा निर्देशित मंगलाचरण का गायन आभा गोहिल ने किया। इसके बाद सम्माननीय अतिथियों एवं संगनी फोरम अध्यक्ष सरिता बजाज संस्थापक अध्यक्ष माया जैन पूर्व अध्यक्ष श्रीमति विजया सेठी सचिव कल्पना सह सचिव परिणिता लहरी एवं कोषाध्यक्ष राखी सभी बहनों द्वारा दीप प्रज्वलित कर मिलन समारोह का शुभारंभ हुआ। इस दौरान सचिव कल्पना ने विगत वर्ष 23-24 की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया एवं वर्ष 24-25 में संगनी फोरम द्वारा किए जाने वाले कार्यो की रूपरेखा जाहिर की। जिसके अनुसार संगनी फोरम द्वारा मुख्यतः शासकीय अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजनों को फल, भोजन वितरण कार्य, समाज की निराश्रित महिलाओं को व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग, देह दान (अंगदान) रक्तदान आदि के लिए जन जागरुकता का प्रचार प्रसार करने, गौ सेवा, जे एस जी फेडरेशन द्वारा निर्देशित सेवा-कार्यों को संपन्न करने के कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर करने आदि के कार्यो को करने का संकल्प लिया।

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि इस वर्ष ०८ अप्रैल को रात ११ बजकर ५० मिनट से शुरू हो जाएगी जो अगले दिन यानी ०९ अप्रैल २०२४ को रात को ०८ बजकर ३० मिनट पर खत्म होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि ०९ अप्रैल से शुरू हो जाएगी।

९ अप्रैल से चैत्र नवरात्रि आरंभ

जानिए घटस्थापना शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और नियम

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। एक वर्ष में कुल चार नवरात्रि आती है, पहला चैत्र नवरात्रि, दूसरा शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि आरंभ हो जाती है। चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ होने के साथ ही नया हिंदू वर्ष भी आरंभ होता है। चैत्र नवरात्रि पर लगातार ९ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना और मंत्रोचार किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि पर देवी दुर्गा पृथ्वी लोक आती है और अपने सभी भक्तों की हर एक मनोकामना को पूर्ण करती हैं। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व ०९ अप्रैल, मंगलवार से शुरू हो रहे हैं और समापन १७ अप्रैल को राम नवमी पर होगा। आइए जानते हैं चैत्र नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त कब रहेगा, पूजा विधि और नवरात्रि के बारे में सबकुछ....

चैत्र नवरात्रि कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से आरंभ हो रहे हैं। प्रतिपदा तिथि पर कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि पर्व पर देवी दुर्गा की आराधना का महापर्व शुरू होता है। नवरात्रि के पहले दिन यानी चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि पर शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए करना शुभ माना जाता है। वैदिक पंचांग की गणना के मुताबिक 09 अप्रैल को सुबह 07 बजकर 32 मिनट तक पंचक रहेगा। यानी पंचक के समाप्त के बाद घट स्थापना करना शुभ रहेगा। 09 बजकर 11 मिनट पर अशुभ चौघड़िया रहेगा इस कारण से इस समय घट स्थापना न करें। पंचांग की गणना के मुताबिक शुभ चौघड़िया 09 बजकर 12 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर सकते हैं। 09 अप्रैल को कलश स्थापना के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। क्योंकि यह अभिजीत मुहूर्त है। कलश स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त सर्वश्रेष्ठ होता है। इसके अलावा इस समय वैधृत योग और अश्विनी नक्षत्र का संयोग भी रहेगा। ऐसे में घटस्थापना, पूजा का संकल्प लेना और मंत्रों का जाप करना शुभ फलदायी रहेगा।

- ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 04:31 से 05: 17 तक
- अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:57 से दोपहर 12: 48 तक
- विजय मुहूर्त- दोपहर 02:30 से दोपहर 03: 21 तक
- गोधूलि मुहूर्त- शाम 06:42 से शाम 07: 05 तक
- अमृत कालः रात्रि 10:38 से रात्रि 12: 04 तक
- निशिता कालः रात्रि 12:00 से 12: 45 तक
- सर्वार्थ सिद्धि योगः सुबह 07:32 से शाम 05: 06 तक
- अमृत सिद्धि योगः सुबह 07:32 से शाम 05: 06 तक

चैत्र नवरात्रि कलश स्थापना पूजा विधि

नवरात्रि पर मां दुर्गा की उपासना का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि पर 9 दिनों तक उपवास रखा जाता है। नवरात्रि के पहले दिन सुबह घर को साफ-सुथरा करके मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक बनाएं और सुख-समृद्धि के लिए दरवाजे पर आम या अशोक के ताज़े पत्तों का तोरण लगाएं। इस दिन सुबह स्नानादि करके माता दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर को लकड़ी की चौकी या आसन पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर स्थापित करना चाहिए। मां दुर्गा की मूर्ति के बाईं तरफ श्री गणेश की मूर्ति रखें। उसके बाद माता के समक्ष मिट्टी के बर्तन में जौ बोएं, जौ समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक माने जाते हैं। माँ की आराधना के समय यदि आपको कोई भी मन्त्र नहीं आता हो तो केवल दुर्गा सप्तशती में दिए गए नवार्ण मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे' से पूजा कर सकते हैं व यही मंत्र पढ़ते हुए पूजन सामग्री अर्पित करें। देवी को श्रृंगार का सामान और नारियल-चुन्नी जरुर चढ़ाएं। अपने पूजा स्थल से दक्षिण-पूर्व की तरफ घी का दीपक जलाते हुए 'ॐ दीपो ज्योतिः परब्रह्म दीपो ज्योतिर्र जनार्दनः। दीपो हरतु में पापं पूजा दीप नमोस्तुते' यह मंत्र पढ़ें और आरती करें। देवी माँ की पूजा में शुद्ध देसी घी का अखंड दीप जलाएं।

चैत्र नवरात्रि पर क्या करें और क्या न करें

- **क्या करें:** सात्विक भोजन, साफ़ सफाई, देवी आराधना,भजन-कीर्तन, जगराता, मंत्रों का जाप और देवी आरती
- **क्या न करें:** प्याज,लहसुन,शराब,मांस-मछली का सेवन, लड़ाई, झगड़ा, कलह, कलेश, काले कपड़े और चमड़े की चीजें न पहने, दाढ़ी,बाल और नाखून न काटें

नवरात्रि के ९ दिनों में ९ देवियों के ९ बीज मंत्र

दिन	देवी	बीज मंत्र
पहला दिन	शैलपुत्री	ह्रीं शिवायै नमः।
दूसरा दिन	ब्रह्मचारिणी	ह्रीं श्री अम्बिकायै नमः।
तीसरा दिन	चन्द्रघण्टा	ऐं श्रीं शक्तयै नमः।
चौथा दिन	कूष्मांडा	ऐं ह्री देव्यै नमः।
पांचवा दिन	स्कंदमाता	ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः।
छठा दिन	कात्यायनी	क्लीं श्री त्रिनेत्राय नमः।
सातवाँ दिन	कालरात्रि	क्लीं ऐं श्री कालिकायै नमः।
आठवां दिन	महागौरी	श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नमः।
नौवां दिन	सिद्धिदात्री	ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः।

नवरात्रि के दिन के अनुसार भोग

नवरात्रि	नवरात्रि के दिन	माता का भोग
पहला दिन	माँ शैलपुत्री देवी	देसी घी
दूसरा दिन	ब्रह्मचारिणी देवी	शक्कर, सफेद मिठाई, मिश्री और फल
तीसरा दिन	चंद्रघंटा देवी	मिठाई और खीर
चौथा दिन	कुष्मांडा देवी	मालपुआ
पांचवां दिन	स्कंदमाता देवी	केला
छठा दिन	कात्यायनी देवी	शहद
सातवां दिन	कालरात्रि देवी	गुड़
आठवां दिन	महागौरी देवी	नारियल
नौवां दिन	सिद्धिदात्री देवी	अनार और तिल

घटस्थापना के लिए पूजा सामग्री

कलश, माता की फोटो, 7 तरह के अनाज, मिट्टी का बर्तन पवित्र मिट्टी, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, सुपारी, जटा वाला नारियल, अक्षत, लाल वस्त्र, पुष्प

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा से लाभ

दिन	नवरात्रि दिन	तिथि	पूजा-अनुष्ठान
09 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 1	प्रतिपदा	देवी शैलपुत्री की पूजा से चंद्र दोष समाप्त होता है।
10 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 2	द्वितीया	देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा से मंगल दोष खत्म होता है।
11 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 3	तृतीया	देवी चंद्रघण्टा पूजा से शुक्र ग्रह का प्रभाव बढ़ता है।
12 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 4	चतुर्थी	माँ कूष्माण्डा की पूजा से कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होता है।
13 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 5	पंचमी	देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।
14 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 6	षष्ठी	देवी कात्यायनी की पूजा से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है।
15 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 7	सप्तमी	देवी कालरात्रि की पूजा से शनिदोष खत्म होता है।
16 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 8	अष्टमी	देवी महागौरी की पूजा से राहु का बुरा प्रभाव खत्म होता है।
17 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 9	नवमी	देवी सिद्धिदात्री की पूजा से केतु का असर कम होता है।

घर में इस तरह रखें लाफिंग बुद्धा

कुबेर भगवान को जिस तरह से हिंदू धर्म में धन वृद्धि का प्रतीक माना गया है वैसे ही शुभ और धन समृद्धि लाने के लिए लाफिंग बुद्धा को चीन में यही दर्जा दिया गया है। लाफिंग बुद्धा की यह मान्यता कही लोगों में दिखाई देती है जिसकी वजह से उन्होंने अपने घर में लाफिंग बुद्धा रखे हुए हैं।

लेकिन क्या आपको पता है कि कहीं पर भी लाफिंग बुद्धा को रखने से शुभता और धन-समृद्धि नहीं आती। सही दिशा और स्थान पर लाफिंग बुद्धा को रखा जाता है जिसके बारे में आपको पहले पता होना आवश्यक है। घर में जिस तरह से आपको जरूरत है उसी दिशा में लाफिंग बुद्धा को रखा जाता है।

परिवार के भाग्य और सुख शांति के लिए घर की पूर्व दिशा को माना गया है। एक लाफिंग बुद्धा आप अपने घर के पूर्व दिशा में रखते हैं तो इससे परिवार के सदस्यों के

बीच प्रेम और तालमेल बना रहता है। ध्यान रहे कि पूर्व दिशा में दोनों हाथों को उठाए हंसते हुए लाफिंग बुद्धा रखना चाहिए। फेंगशुई में बताया गया है कि घर में दक्षिण पूर्व दिशा में लाफिंग बुद्धा को रखने से सकारात्मक ऊर्जा उस जगह की बढ़ती है साथ ही जीवन में धन और सुख का लाभ होता है। इस दिशा में लाफिंग बुद्धा रखने से घर के सदस्यों की आमदनी में भी बढ़ोतरी आती है। इतना ही नहीं अगर आपको विरोधी नौकरी व्यवसाय में परेशान कर रहे हैं तो इससे भी राहत मिलती है।

ऐसा कहा जाता है कि घर या दफ्तर में लाफिंग बुद्धा अपनी आंखों की ऊंचाई के बराबर रखना चाहिए। मतलब यह है कि जैसे ही आप आएं तो आपकी सीधी नजर लाफिंग बुद्धा पर पड़े। ध्यान रहे कि लाफिंग बुद्धा को ज्यादा ऊंचाई या नीचे नहीं रखें।

हिंदू शास्त्र में बताया गया है कि दरवाजे की तरफ गणेश जी का मुंह होना शुभ होता है उसी तरह से लाफिंग बुद्धा का भी मुंह दरवाजे की तरफ होने से धन और समृद्धि का आगमन जीवन में होता है।

इन राशि के लोगों को नहीं पहननी चाहिए चांदी की अंगूठी

कई सारे लोग सोने और चांदी के आभूषण पहनने के बहुत शौकीन होते हैं। तो वहीं इनमें से कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने ये अभूषण विद्वान पंडित की सलाह से पहने होते हैं। वैसे ज्योतिष शास्त्र की मानें तो चांदी के आभूषण खूबसूरती बढ़ाने के अलावा सुख-समृद्धि का भी कारक माना जाता है। ज्योतिष मान्यताओं के मुताबिक चांदी नौ ग्रहों में शुक्र और चंद्रमा ग्रह से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा कहा यह भी जाता है कि चांदी की उत्पत्ति भगवान शिव के नेत्रों से हुई थी और जिस जगह भी चांदी होती है उस जगह सुख, वैभव और संपन्नता में जरा भी कमी नहीं आती है। इन सारी चीजों के अलावा ज्योतिष शास्त्र में ये भी बताया गया है कि चांदी की अंगूठी पहनना सभी के लिए अच्छा नहीं होता है।

तो ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि चांदी की अंगूठी किस राशि के लोगों को नहीं पहननी चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मेष, धनु और कन्या राशि के जातकों को चांदी की अंगूठी नहीं पहननी चाहिए। इन राशि के लोगों के लिए चांदी की अंगूठी धारण करना अशुभ माना जाता है। कहा जाता है कि यदि ये लोग चांदी की अंगूठी हाथ में धारण कर लेते हैं तो इनके लिए ये अशुभ साबित होगा और ये इन जातकों के लिए दुर्भाग्य की वजह भी बनती है।

माना जाता है कि इसे पहनने से परिवार के लोगों को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ सकता है और स्वास्थ्य संबंधित संकट भी बने रहने का डर होता है। इसके अलावा इनके जीवन में चांदी की अंगूठी पहनना असफलता का कारण भी बन सकती है।

वास्तु के ये नियम धन को करते हैं आकर्षित

शास्त्रों की मानें तो भगवान कुबैर धन के देवता है। कहा जाता है कि अगर कुबैर भगवान को खुश रखेंगे तो घर में पैसों की कमी नहीं होगी। लेकिन वास्तुशास्त्र के अनुसार भी घर में धन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए उपाय बताए गए हैं। इन नियमों को अपनाएंगे तो घर में पैसों की परेशानी नहीं होगी।

घर में प्रवेश द्वार के कारण ही पैसा आता है। इसलिए अपने घर के प्रवेश द्वार को हमेशा साफ सुथरा रखें। घर का प्रवेश द्वार खुशियों और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। इसलिए घर के मुख्य द्वार पर आप एक घंटी या विंड चाइम्स लटका सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार कहा जाता है कि इस की आवाज पैसों को आकर्षित करती है। इसके अलावा

घर के मुख्य द्वार के सामने अपने घर में एक सुंदर सा लैंप लगाएं और इसे जलाएं।

कहा जाता है कि लाल, वायलेट और हरा रंग धन को आकर्षित करता है। इसलिए घर में इस रंग का कलर करा सकते हैं। इसके अलावा आप फर्नीचर, एक्सेसरीज में भी इन रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सोना धन और वैभव का प्रतीक है। इसलिए घर में गोल्ड के कलर की कोई चीज जरूर रखें, जैसे गोल्डन एक्सेसरीज।

घर का किचन आपके लिए मुख्य ऊर्जा का हिस्सा है। यह आपके जीवन की खुशियों और समृद्धि के लिए जिम्मेदार है। इसलिए किचन को साफ रखें अच्छे तरीके से किचन की चीजों को रखें।

घर में चीजों को इस तरह रखें कि स्पेस ज्यादा रहे। घर में बिना वजह का कबाड़ न रखें। सकारात्मक एनर्जी इसी तरह आएगी।

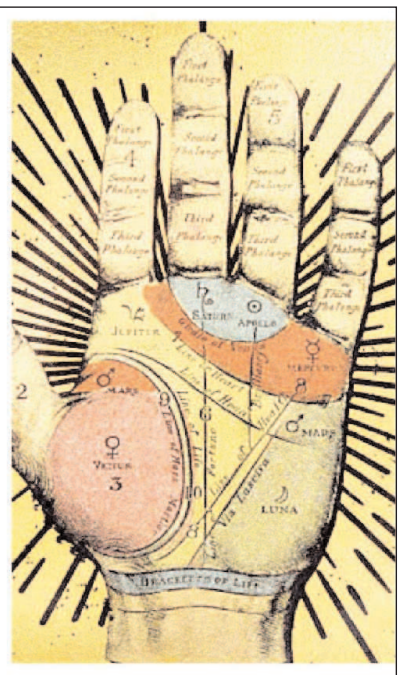

जिनकी हथेलियों पर बनते हैं ऐसे निशान वो लोग होते हैं भाग्यशाली

सामुद्रशास्त्र में व्यक्ति के भविष्य में होने वाली अच्छी और खराब बातों का संकेत उनके हथेली पर बने कुछ खास तरह के निशान और चिन्ह बताते हैं।

इन संकेतों के बारे में आप हस्तरेखा शास्त्र में पढ़ सकते हैं और भविष्य में होने वाली घटनाओं का पता पहले लगा सकते हैं। शास्त्रों में विस्तार से वर्णन हमारी हथेली में बनी आकृतियों और रेखाओं के बारे में बताया गया है। हथेली की इन रेखाओं से पता चल जाता है कि व्यक्ति भाग्यशाली है या नहीं। हृदय रेखा, जीवन रेखा, विवाह रेखा और भाग्य रेखा हमारी हथेली पर बनी होती है। व्यक्ति के जीवन में होने वाली घटनाओं से इन रेखाओं और आकृतियों का संबंध जुड़ा होता है।

मणिबंध से जिन व्यक्ति की भाग्य रेखा शुरू होती है और शनि पर्वत पर सीधे जाकर मिलती है। इन व्यक्तियों का भाग्य बहुत भाग्यशाली होता है। हर क्षेत्र में इन व्यक्तियों को सफलता प्राप्त होती है। इतना ही नहीं यह हार भी बिल्कुल नहीं मानते हैं। इन व्यक्तियों के जीवन में जब भी समय विपरीत चलता है तो यह धैर्य और संयम बनाए रखते हैं।

भाग्य रेखा चंद्रमा के क्षेत्र से जिन व्यक्ति की हथेली पर प्रारंभ होती है। वह अपने हर काम में सफल होते हैं और मान-सम्मान उन्हें जीवन में खूब मिलता है। इस हस्तरेखा के लोगों को अपने मान-सम्मान का बहुत ध्यान होता है और यह छोटे बड़े हर इंसान के साथ अच्छा बर्ताव करते हैं।

जीवन से प्रारंभ होती है जिन व्यक्ति की भाग्य रेखा तो उनके जीवन में धन से संबंधित परेशानियां नहीं आती हैं। आर्थिक पक्ष इन लोगों का बहुत बेहतर होता है। धन-धान्य से परिपूर्ण इन लोगों का जीवन हमेशा रहता है।

सिर्फ नाम का रहा वन-वे, दोनों दिशाओं में खूब दौड़ रहा ट्रैफिक

एमजी रोड-जवाहर मार्ग पर मैजिक वैन वाले भी पीछे नहीं

इंदौर। एमजी रोड और जवाहर मार्ग को नगर निगम महापौर द्वारा वन-वे घोषित करवाया गया है। इसके लिए नोटिफिकेशन भी किया है। हालांकि एमजी रोड और जवाहर मार्ग के वन-वे का पालन कोई वाहन चालक नहीं कर रहा है। छेरा हूं पर जरूर बेरिकेट्स लगाकर वन में किया गया है, लेकिन इसके बावजूद दोनों दिशाओं से भरपूर ट्रैफिक चल रहा है। यहां तक की ट्रैफिक सिग्नल भी वन वे के अनुसार कार्य नहीं कर रहे हैं। दोनों रोड को वन-वे किए जाने के बाद प्रमुख चौराहों पर पुलिस को ट्रैफिक कंट्रोल करने में भारी मशक्कत करना पड़ रही है। जानकारी अनुसार शहर के दो प्रमुख मार्ग और शहर की नज माने जाने वाले एमजी रोड और जवाहर मार्ग को निगम और प्रशासन द्वारा वन-वे किया गया है। हालांकि शहरवासी और व्यापारी वर्ग इन दोनों मार्गों के वन-वे किए जाने का शुरू से विरोध कर रहा है। जवाहर मार्ग के व्यापारी तो कई बार प्रदर्शन भी कर चुके हैं। यहां तक की व्यापारियों ने व्यापार ठप होने का हवाला देते हुए मानव श्रृंखला भी बनाई और काले झंडे भी दिखाएं। वर्तमान में भी दोनों रोड वन वे है लेकिन दोनों दिशाओं से भरपूर ट्रैफिक दौड़ रहा है। वाहन चालक और शहर वासी यहां तक की लोक परिवहन वाहन चालक भी वन वे नियमों के अनुरूप नहीं चल रहे हैं। लोगों का कहना है कि वन वे के अनुसार तो हमें कई किलोमीटर लंबा चक्कर काटना पड़ रहा है। अगर इतना लंबा चक्कर काटेंगे तो महंगा पेट्रोल भी अतिरिक्त फूंकना पड़ेगा।

चौराहों पर पुलिस को करना पड़ रही भारी मशक्कत-एमजी रोड और जवाहर मार्ग दोनों पर दिनभर हैवी ट्रैफिक लोड रहता है। जवाहर मार्ग पर तो प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठान भी है कहा जा सकता है कि जवाहर मार्ग व्यावसायिक क्षेत्र का प्रमुख केंद्र भी है। इसलिए भी दिन भर जवाहर मार्ग पर हैवी ट्रैफिक रहता है। वाहन चालकों और अन्य लोगों को कंट्रोल करने के लिए प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस को भारी मशक्कत करना पड़ रही है।

कॉलोनी मोहल्ले की सड़कें बन गई हाईवे जैसी-जब से जवाहर मार्ग और एमजी रोड को वन वे किया गया है वाहन चालक अपने गंतव्य तक पहुंचाने के लिए सड़क के दोनों और की कॉलोनी मोहल्लों की सड़कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। कॉलोनी मोहल्ला की सड़कों पर इतने वहां दौड़ने लगे हैं जैसे गली मोहल्लों की सड़क नहीं हाईवे बन गए हो। कई बार तो रहवासियों और वाहन चालकों में विवाद की स्थिति भी बन चुकी है।

भाजपा जिला अध्यक्ष वर्मा ने मुख्यमंत्री को गेहूं खरीदी केंद्र पर किसानों को आ रही समस्या से अवगत कराया

***इंदौर।** भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इंदौर जिले के अन्नदाताओं को गेहूं की गुणवत्ता को लेकर खरीदी केंद्रों पर आ रही समस्या से अवगत करवाया। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।*

गोम्मटगिरी में कथा वाचक संत कमलकिशोर नागर की कथा में शामिल होने इंदौर विमानतल पर पधारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने चर्चा करते हुए बताया कि इंदौर जिले के किसानों को खरीदी केंद्रों से अधिकारियों द्वारा गेहूं की गुणवत्ता को लेकर खरीदी केंद्रों से लौटाया जा रहा है। श्री वर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आग्रह किया कि इंदौर जिले के किसानों की मावठे के चलते गेहूं की फसलें प्रभावित हुई थी, इसे देखते हुए इंदौर जिले के किसानों को राहत देते हुए सरकार गेहूं की खरीदी करें। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तुरंत अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के गेहूं की गुणवत्ता को लेकर जो समस्या आ रही है, उन्हें दूर किया जाए। खरीदी केंद्रों पर अन्नदाता को कोई दिक्कत नहीं आए इसकी चिंता करें। इस अवसर पर मंत्री तुलसीराम सिलावट और सांसद शंकर लालवानी भी उपस्थित थे।

मीठी ईद पर फिर दिखेगी हिंदू मुस्लिम एकता की गंगा- जमुनी तहजीब- सलवाड़िया

शहर काजी को बग्गी में बैठाकर ईदगाह लेकर जाएंगे

इंदौर। मीठी ईद पर हिंदू मुस्लिम की गंगा जमुनी तहजीब की एकता को मजबूत करने के लिए रिजर्व फोर्स द्वारा करीब 45 वर्ष पहले शुरू की गई अनूठी परंपरा की सुंदर झलक एक बार पुनः इस ईद पर देखने को मिलेगी। जब रिजर्व फोर्स के सयोजक सत्यनारायण सलवाडिया मीठी ईद की सुबह सुबह 8 बजे शहर काजी डॉ. इशरत अली को उनके राजमोहला निवास से घोड़ा बग्गी में बैठाकर सदर बाजार ईदगाह पर होने वाली नमाज में ले जायेंगे।

सलवाडिया ने बताया कि इस गंगा जमुनी तहजीब एकता परंपरा को शुरू करने का श्रेय पिता रामचंद्र सलवाडिया को जाता है। उस समय शहर काजी याकूब अली को ईद की मुबारकबाद देने के बाद फूलों की माला पहनाकर इस्तकबाल करते और उसके बाद घोडा बग्गी में बैठाकर विभिन्न मार्गो से होते हुए सदर बाजार ईदगाह पर नमाज अता करने के लिए ले जाते थे। यह अनूठी परम्परा हर मीठी ईद पर देखने को मिलती है और इसका हिंदू मुस्लिम एकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता हैं। अब इस परम्परा को सत्यनारायण सलवाडिया निभा रहे है।

मंगल सिटी के पीछे, संगम नगर समेत 15 स्थान पर बनाएंगे हाकर्स झोन

नगर निगम करेगा 5 से 6 करोड़ रुपए खर्च, लेगा मासिक किराया भी

इंदौर। सड़क किनारे फुटपाथ पर दुकान लगाकर और गली मोहल्ले में फेरी लगाकर कारोबार करने वालों के लिए हाकर्स झोन बनाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि फिलहाल स्कीम नंबर 51, न्यू रामनगर, मंगल सिटी के पीछे, संगम नगर सहित 15 स्थानों पर हाकर्स झोन बनाए जाएंगे। यह योजना महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बनाई है। इस पर अगले सप्ताह से अमल भी शुरू हो सकता है। बताया जाता है कि पिछले दिनों शहर में खाली पड़ी जमीन को लेकर संबंधित जोन से जानकारी तलब की थी उसी अनुसार 15 स्थानों पर हॉकर्स जोन बनाने जा रहे हैं। इसके टेंडर इसी सप्ताह होंगे और लगभग 5 से 6 करोड रुपए की लागत से हॉकर्स जोन तैयार कर फुटपाथ व फेरी लगाकर व्यापार करने वालों को यहां शिफ्ट किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार निगम की मंशा है कि फुटपाथ से लेकर अन्य जगह गुमटी ठेले न लगे और चिन्हित किए गए स्थान पर अपनी दुकान लगा सकते हैं। नगर निगम के मार्केट विभाग के माध्यम से बाद में प्रतिमाह एक निश्चित राशि भी इन दुकानदारों से वसूली

जाएगी। अभी फुटपाथ से लेकर सड़क पर खेरची दुकान लगाने से यातायात बाधित होता है इसलिए यह व्यवस्था की जा रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव की ओर से इस तरह की योजना खेरची व्यापारियों को देने की तैयारी है। पहले चरण में 15 प्रमुख स्थानों पर हॉकर्स जोन बनाए जा रहे हैं।

जल्द जारी हो सकते हैं टेंडर-स्नेहलतागंज ब्रिज के नीचे, बाणगंगा पानी की टंकी के पास, स्कीम नंबर 51, न्यू रामनगर, मंगल सिटी के पीछे, संगम नगर, निरंजनपुर सब्जी मंडी, बीसीएम पैराडाइज के पास, लक्ष्मी मेमोरियल हॉस्पिटल पुल के पास, मदरहुड हॉस्पिटल के पीछे, तिलक नगर खदान, केसरबाग ओवरब्रिज के पास एमपीईबी ग्रेड के पीछे ई-सेक्टर, सांवरिया धाम मंदिर के पास, बंगाली ओवरब्रिज के नीचे, पिपलियाहाना तालाब फेस-2 के पास हॉकर्स जोन बनाए जा रहे हैं। जल्द ही इसके टेंडर जारी होने जा रहे हैं और तकरीबन 5 से 6 करोड़ की लागत से पहले चरण में इतने हॉकर्स जोन बनेंगे।

सभी झोनों में खाली जमीनों का भी सर्वे जारी-निगम के सभी झोन के अंतर्गत अन्य खाली पड़ी जमीन का सर्वे भी किया जा रहा है ताकि वहां पर भी हॉकर्स जोन बनाकर सड़क पर फेरी लगाकर या फुटपाथ पर कब्जा जमाकर व्यापार व्यवसाय करने वालों को शिफ्ट किया जाए। इस तरह से परेशानी नहीं होगी और यातायात भी बाधित नहीं होगा। निगम की मंशा अनुसार यह काम हो रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि हमने सभी 19 जोन से खाली जमीन चिह्नित करवाई है और सभी की जानकारी प्रस्ताव बनाकर मंगवाई है। हॉकर्स जोन बनाए जाएंगे और वहां पर फुटकर व्यापारियों को शिफ्ट किया जाएगा। हॉकर्स जोन में ऐसे व्यापारियों को शिफ्ट करने के बाद भी सड़क पर आते हैं तो उन पर कार्रवाई होगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)